claims the idol on the ground that it was stolen from a temple in 1956 and taken abroad.

The industrialist, Mr. Norton, Simon has conceded that he knew the bronze had been smuggled into the USA when he brought it from a New York art dealer. But he believed the dealer had a clear title to the idol."

उपसभापति महोदय, भारत सरकार और नौरटन सिमन फाउन्डेशन के बीच में जो यह करार हुआ है उसको मैंने पढ़कर आपकी खिदमत में सुना दिया है। इसमें यह कहा गया है कि मि० नौरटन सिमन जो एक इंडस्ट्रियलिस्ट है, यह मानते हैं कि यह आइडोल समगल हुआ था और सन् 1956 में हमारे देश से विदेश को ले जाया गया था। ऐसी स्थिति में हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि भारत सरकार ने इस प्रकार का करार किस तरह से कर दिया? इस बारे में भारत सरकार ने जो करार किया है उसके बारे में हमें बहुत तकलीफ है। इस करार में यह भी कहा गया है कि इस फाउन्डेशन के पास यह आइडोल 10 साल तक रहेगा और वहां पर एग्जीबिट करने के बाद भारत सरकार के पास आयेगा। दूसरी बात करार में यह भी की गई है कि इसके बाद भारत सरकार एक दूसरा आइडोल उनको देगी। इस सब को पढ़ने के बाद में इस बात को समझ नहीं पा रहा हूं कि किस आधार पर भारत सरकार ने इस तरह का करार मि० नौरटन सिमन के साथ किया है? इसी तरीके का सवाल मैंने इस सदन में इंडिया लायब्रेरी के बारे में भी उठाया था और यह बताया था कि इंगलिस्तान की सरकार के साथ इस सम्बन्ध में जो करार किया गया था वह किस तरह से राष्ट्र के खिलाफ है। इसी तरह से इस करार के सम्बन्ध में मैं यह कहना चाहता हूं कि जो चीज स्मगल करके ले जाई गई है उसके बारे में उनके साथ करार करना देश विरोधी और राष्ट्र विरोधी कार्य है और यह हमारे राष्ट्र के सम्मान के खिलाफ है। मैं चाहूंगा कि सरकार इस तरह के करार को रद्द करके सदन में बताये कि किस तरीके से स्मगल की गई चीज के बारे में मि० नौटरन सिमन के साथ यह करार किया गया है? मैं यह भी चाहता हूं कि इस करार को खत्म करके नटराज की प्रतिमा को भारतवर्ष को फिर से लौटाने की कोशिश करें।

SHRI S. S. MARISWAMY (Tamil Nadu) : Sir, in this connection, I want to make a small point. It was the Madras Government that sent an officer all the way to America to trace out the idol. It was because of the work done by one Mr. Krishnaraju that that idol was trace out. I would like to know whether the opinion of the Madras Government has been taken.

SHRI RABI RAY : I support him.

SHRI S. S. MARISWAMY : It is a point.

THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL, 1975

(To amend the Eiihth Schedule)

SHRI 1. T. SINGH (Manipur) : Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the morion was adopted.

SHRI 1. T. SINGH (Manipur) : Sir, I introduce the Bill.

THE WORKMEN'S COMPENSATION (AMENDMENT) BILL, 1975

SHRI S. KUMARAN (Kerala) : Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Workmen's Compensation Act, 1923.

'I he question was put and the motion was adopted.

SHRI S. KUMARAN (Kerala) Sir, I introduce the Bill.